HANDOUT MODULE – 1

पाठ -2 जॉर्ज पंचम की नाक (लेखक - कमलेश्वर)

प्रस्तुत व्यंग्य कथा में दर्शाया गया है कि नाक मान-सम्मान व् प्रतिष्ठा की द्योतक है । यह कथा सरकारी व्यवस्था पर करारी चोट करते हुए सत्ता से जुड़े लोगों की औपनिवेशी मानसिकता तथा विदेशी आकर्षण पर तीखा प्रहार कराती है।

1. **रानी एलिजाबेथ का भारत आगमन** - अखबारों में उनकी चर्चा होने लगी । उनकी दर्ज़ी परेशान थी । फोटोग्राफरों की फ़ौज तैयार हो रही थी । उनके सूट , जन्मपत्री , प्रिंस फिलिप के कारनामे , खानसामा , अंगरक्षकों , शाही महल के कुत्तों के बारे में भी अखबारों में छपा ।

2. **जॉर्ज पंचम की नाक सम्बन्धी दास्तान** - इण्डिया गेट के सामने वाली जॉर्ज पंचम की मूर्ति की नाक गायब हो गई । हथियारबंद अपनी जगह तैनात रहे । गश्त लगती रही और मूर्ति की नाक चली गई ।

3. **सरकारी तंत्र में नाक को लेकर चिंता** - रानी आए और जॉर्ज पंचम की नाक न हो तो उन्हें बुरा लगेगा । इसके लिए उच्चस्तरीय सभा बुलाई गई , इसलिए मूर्तिकार को बुलाया गया । मूर्तिकार जानना चाहता था कि जिस मूर्ति की नाक लगानी है , वह कब और कहाँ बनी थी और इसका पत्थर कहाँ से लाया गया था ।

4. **मूर्तिकार के सुझाव** - सभी जगह खोजबीन करने के बाद यह खबर दी गई कि यह मूर्ति विदेशी पत्थर से बनी है । मूर्तिकार ने सलाह दी कि देश के नेताओं की , सेक्रेटरिएट के सामने लगी शहीद बच्चों की नाक लगा दी जाए पर बच्चों की नाक भी जॉर्ज पंचम की नाक से बड़ी निकली ।

5. **मूर्तिकार की नई योजना** - मूर्तिकार पैसे से लाचार था । वह हार मानने वाला नहीं था । उसने कहा चालीस करोड़ में से किसी एक की जिंदा नाक काटकर लगा दी जाए ।

6. **नाक लगने से जुडी तैयारियाँ** - अखबरों में ख़बर छपी कि राजपथ पर इण्डिया गेट के पास वाली जॉर्ज पंचम की मूर्ति के नाक लग रही है । पहरेदार तैनात किए गए । मूर्ति के आस-पास की सफ़ाई करवाई गई । मूर्तिकार ने जिंदा नाक लाने के लिए कमेटी वालों से कुछ और मदद माँगी । उसे मदद मिल भी गई ।

7. **जॉर्ज पंचम की नाक लगना** - अखबारों ने खबर छापी कि जॉर्ज पंचम के जिंदा नाक लगाई गई , यानि ऐसी नाक जो कहीं से भी पत्थर की नहीं लगती ।

उस अखबारों ने किसी भी प्रकार के उदघाटन , सार्वजनिक सभा , स्वागत-समारोह , मानपत्र , ताज़ा चित्र नहीं छापा था । सारे समाचार-पत्र खाली थे । अन्त में लेखक कहते हैं ' नाक तो सिर्फ़ एक चाहिए थी , वह भी बुत के लिए । '

तैयारकर्ता : राजेन्द्र प्रसाद

प्र. स्ना. शिक्षक (हिन्दी,संस्कृत)

प. ऊ. के. विद्यालय काकरापार